

प्रेषक,

डा० उमाकान्त पंवार
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1- पुलिस महानिदेशक,
उत्तराखण्ड।

2- कमाण्डेन्ट,
आर०टी०सी० 31वीं वाहिनी
पीएसी, रुद्रपुर।

3- कमाण्डेन्ट,
आर०टी०सी० चम्बा।

4- कमाण्डेन्ट,
ए०टी०सी० हरिद्वार।

गृह अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक: 25 अप्रैल, 2017

विषय: निजी सुरक्षा एजेन्सी के सुरक्षा गार्डों/पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु आर०टी०सी० 31वीं वाहिनी पीएसी, रुद्रपुर तथा आर०टी०सी० चम्बा को अधिकृत किये जाने विषयक।

महोदय,

निजी सुरक्षा अभिकरण (विनियम) अधिनियम, 2005 की धारा-9(2) एवं निजी सुरक्षा एजेन्सी के लिये राज्य की आदर्श नियमावली, 2009 के नियम-5 के अनुसार निजी सुरक्षा गार्डों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु उक्त अधिनियम की धारा-3(1) एवं निजी सुरक्षा एजेन्सी के लिये राज्य की आदर्श नियमावली, 2009 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये आर०टी०सी० 31वीं वाहिनी पीएसी, रुद्रपुर तथा आर०टी०सी० चम्बा को निम्न शर्तों के अधीन प्राधिकृत किया जाता है:-

(1) प्रशिक्षण केन्द्र निजी सुरक्षा अभिकरण (विनियम) अधिनियम, 2005 एवं निजी सुरक्षा एजेन्सी के लिये राज्य की आदर्श नियमावली, 2009 के नियम-5 में उल्लिखित दिशा निर्देशों का पालन करेगी।

(2) उक्त अधिनियम एवं नियम में उल्लिखित दिशा निर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण केन्द्र प्रशिक्षण हेतु पाठ्यक्रम निर्गत करेगा।

(3) उक्त अधिनियम एवं नियम में उल्लिखित दिशा निर्देशों के अनुसार निजी सुरक्षा गार्ड/पर्यवेक्षकों हेतु निर्धारित मापदण्डों को पूरा करने के पश्चात् ही निजी सुरक्षा गार्ड/पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण हेतु शामिल किया जाय।

(4) सुरक्षा गार्डों/पर्यवेक्षकों को प्रदान किये जाने वाला प्रशिक्षण न्यूनतम 20 कार्य दिवस की होगी, जिसमें न्यूनतम 100 घन्टे की कक्षा में शिक्षण तथा न्यूनतम 60 घन्टे का फील्ड प्रशिक्षण होगा। भूतपूर्व सैनिकों और पूर्व पुलिस

कार्मिकों को केवल संघानित पाठ्यक्रम (Condensed Course) न्यूनतम 40 घण्टे कक्षा एवं 16 घण्टे फील्ड प्रशिक्षण होगा, जो 7 कार्य दिवसों में होगा।

(5) प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रत्येक 6 माह में सफल प्रशिक्षणार्थियों की सूची नियंत्रक प्राधिकारी को प्रेषित की जायेगी।

(6) प्रशिक्षण की समाप्ति पर प्रत्येक सफल प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्ररूप-4 में प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा।

(7) नियंत्रक प्राधिकारी स्वयं या अपने अधिकारियों द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण सुविधा के कृत्यों का निरीक्षण करेगा तथा इस हेतु नियंत्रक प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर प्रदान किये गये निर्देशों का अनुपालन प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा किया जायेगा। सामान्यतः ऐसा निरीक्षण प्रति वर्ष कम से कम दो बार किया जायेगा।

(2) निजी सुरक्षा एजेंसी से सुरक्षा गार्डों के प्रशिक्षण हेतु अनुबन्ध किये जाने हेतु भी ए०टी०सी० हरिद्वार, आर०टी०सी० 31वीं वाहिनी पी०ए०सी० रुद्रपुर एवं आर०टी०सी० चम्बा को अधिकृत किया जाता है। उक्त के अतिरिक्त भविष्य में निजी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अपने सुरक्षा गार्डों के प्रशिक्षण हेतु अनुबन्ध किये जाने के संबंध में कृपया उनसे अनुबन्ध किये जाने की कार्यवाही भी अपने स्तर से करने का कष्ट करें।

(3) निजी सुरक्षा गार्डों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिये जाने हेतु निम्न दरों पर शुल्क का भुगतान निजी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा प्रशिक्षण केन्द्र को किया जायेगा:-

क्रम सं०	विवरण	धनराशि (रूपये में)
1	पानी, बिजली व आवासीय व्यवस्था, बैरक रख-रखाव पर प्रतिदिन में प्रति व्यक्ति पर	50.00
2	आई०टी०आई० / पी०टी०आई० / अध्यापक / प्रशिक्षण अधिकारी पर व्यय प्रतिदिन में प्रति व्यक्ति पर	175.00
3	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों पर व्यय प्रतिदिन में प्रति व्यक्ति पर	50.00
4	डेमो, रूट मार्च एवं गेस्ट लेक्चर	25.00
	प्रतिदिन प्रति व्यक्ति पर कुल व्यय	300.00
	21 दिन में प्रति व्यक्ति पर कुल व्यय (21 x 300)	6300.00
	100 प्रशिक्षुओं के एक बैच पर 21 दिन में सम्पूर्ण व्यय (100 x 6300)	6,30,000

(4) निजी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा भुगतान किये गये शुल्क को राजकोष में जमा किया जायेगा एवं अभिलेखों का रख-रखाव वित्तीय हस्त पुस्तिका, वित्तीय नियम संग्रह के अनुसार किया जायेगा।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्राप्त शुल्क का विवरण वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् गृह विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जायेगा।

भवदीय,

(डा० उमाकान्त पंवार)
प्रमुख सचिव।

संख्या: 454/XX-2/17/56(सुरक्षा)/2007-तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- (1) महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, माजरा, देहरादून।
- (2) समस्त जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षक, उत्तराखण्ड।
- (3) निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- (4) वित्त (व्यय नियंत्रक) अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- (5) गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(ज्योतिर्मय त्रिपाठी)
अनु सचिव।